चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम............दैनिक भास्कर............

दिनांक 19.3.2021 ....पृष्ठ संख्या......2..........कॉलम......3-5......

कोरोना से बचाव में औषधीय पौधों की भूमिका अहम : प्रो. समर सिंह

एचएयू में औषधीय पौधों की महत्ता को लेकर कार्यक्रम आयोजित

भास्कर न्यूज|हिसार

एचएयू में कार्यक्रम के दौरान कुलपति प्रोफेसर समर सिंह व अन्य।

वर्तमान समय में वैश्विक स्तर पर फैली कोरोना महामारी से बचाव के लिए औषधीय पौधों की महत्वपूर्ण भूमिका है। इसलिए प्रत्येक व्यक्ति को आयुर्वेदिक चिकित्सा अनुसार इनका उपयोग करना चाहिए। ये विचार चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय हिसार के कुलपति प्रोफेसर समर सिंह ने कहें।

वे विश्वविद्यालय के मौलिक विज्ञान एवं मानविकी महाविद्यालय के सभागार में औषधीय संगध एवं क्षमतावान फसलों का फसल विविधिकरण एवं मानव स्वास्थ्य विषय को लेकर एक जागरूकता सेमिनार के दौरान बतौर मुख्यातिथि संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि भारत सरकार ने भी औषधीय फसलों और आयुर्वेद को बढ़ावा देने के लिए आयुष मंत्रालय की स्थापना की है। इस दौरान कुलपति प्रोफेसर समर सिंह ने अनुभाग के वैज्ञानिकों द्वारा लिखी गई पुस्तक मेडिशनल गार्डन एट ए गलांस का भी विमोचन किया। कार्यक्रम के मुख्य वक्ता सामान्य अस्पताल हिसार से आयुर्वेद चिकित्सक डॉ. सुखवीर वर्मा ने कहा कि हमारे जीवन में घर की रसोई से लेकर अन्य सभी जरूरत की जगहों पर आयुर्वेद का बहुत महत्व है। उन्होंने स्वास्थ्य रक्षा एवं रोगों के निदान में औषधीय जड़ी बूटियों के उपयोग के बारे में विस्तारपूर्वक जानकारी दी। उन्होंने अपने घरों में तुलसी, एलोवीरा, अश्वगंधा, गिलोय जैसे औषधीय पौधों को लगाने का आह्वान किया। कृषि महाविद्यालय के अधिष्ठाता डॉ. ए.के. छाबड़ा ने सभी मुख्यातिथियों का स्वागत करते हुए कार्यक्रम की रूपरेखा से अवगत करवाया। कार्यक्रम का संचालन डॉ. रवि कुमार ने किया।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम.....सभ्य उजाला.....

दिनांक 19.3.2021....पृष्ठ संख्या.....2.....कॉलम.....5.8.....

कोरोना से बचाव में औषधीय पौधों की भूमिका अहम : प्रो. समर सिंह

हिसार। वर्तमान समय में वैश्विक स्तर पर फैली कोरोना महामारी से बचाव के लिए औषधीय पौधों की महत्वपूर्ण भूमिका है। इसलिए प्रत्येक व्यक्ति को आयुर्वेदिक चिकित्सा अनुसार इनका उपयोग करना चाहिए। यह बात एचएयू के कुलपति प्रो. समर सिंह ने कही। वे विश्वविद्यालय के मौलिक विज्ञान एवं मानविकी महाविद्यालय के सभागार में औषधीय संगध एवं क्षमतावान फसलों का फसल विविधीकरण एवं मानव स्वास्थ्य विषय को लेकर एक जागरूकता सेमिनार के दौरान बतौर मुख्यातिथि संबोधित कर रहे थे। इस दौरान पुस्तक मेडिसनल गार्डन एट ए ग्लांस का भी विमोचन किया गया।

कार्यक्रम के दौरान पुस्तक विमोचन करते कुलपति प्रो. समर सिंह व अन्य।

अपने घर में भी लगाएं औषधीय पौधे : मुख्य वक्ता सामान्य अस्पताल हिसार के आयुर्वेद चिकित्सक डॉ. सुखवीर वर्मा ने अपने घरों में तुलसी, एलोवेरा, अश्वगंधा, गिलोय जैसे औषधीय पौधों को लगाने का आह्वान किया। कृषि महाविद्यालय के अधिष्ठाता डॉ. एके छाबड़ा ने कहा कि भारत विश्व में औषधीय पौधों में दूसरे स्थान पर है। ब्यूरो

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम.....पँजाब केसरी.....

दिनांक 19:3:2021....पृष्ठ संख्या.....2.....कॉलम.....5:8.....

'औषधीय पौधों की कोरोना में विशेष महत्ता को लेकर कार्यक्रम आयोजित'

हिसार, 18 मार्च (पंकेस): वर्तमान समय में वैश्विक स्तर पर फैली कोरोना महामारी से बचाव के लिए औषधीय पौधों की महत्वपूर्ण भूमिका है। इसलिए प्रत्येक व्यक्ति को आयुर्वेदिक चिकित्सा अनुसार इनका उपयोग करना चाहिए। ये विचार चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय हिसार के कुलपति प्रो. समर सिंह ने व्यक्त किए। वे विश्वविद्यालय के मौलिक विज्ञान एवं मानविकी महाविद्यालय के सभागार में औषधीय संगध एवं क्षमतावान फसलों का विविधिकरण एवं मानव स्वास्थ्य विषय को लेकर जागरुकता सैमीनार के दौरान बतौर मुख्यातिथि संबोधित कर रहे थे। कार्यक्रम का आयोजन कृषि महाविद्यालय के आनुवांशिकी एवं पौध प्रजनन विभाग के औषधीय संगध एवं क्षमतावान फसल अनुभाग की ओर से आयोजित किया गया।

मुख्यातिथि ने कहा कि वर्तमान विषम परिस्थितियों में औषधीय पौधों की वैश्विक स्तर पर बहुत अधिक महत्ता बढ़ रही है। इसलिए फसल विविधिकरण में भी औषधीय पौधों की महत्वपूर्ण भूमिका है।

कार्यक्रम के मुख्य वक्ता सामान्य अस्पताल हिसार से आयुर्वेद चिकित्सक डॉ. सुखवीर वर्मा ने स्वास्थ्य रक्षा एवं रोगों के निदान में औषधीय जड़ी-बूटियों के उपयोग के बारे में विस्तारपूर्वक जानकारी दी।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
पांच बजे न्यूज	**18.03.2021**	--	--

एचएयू में औषधीय पौधों की कोरोना में विशेष महत्ता को लेकर कार्यक्रम आयोजित

कोरोना से बचाव में औषधीय पौधों की भूमिका अहम : प्रो. समर सिंह

पांच बजे न्यूज

हिसार। वर्तमान समय में वैश्विक स्तर पर फैली कोरोना महामारी से बचाव के लिए औषधीय पौधों की महत्वपूर्ण भूमिका है। इसलिए प्रत्येक व्यक्ति को आयुर्वेदिक चिकित्सा अनुसार इनका उपयोग करना चाहिए। ये विचार चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय हिसार के कुलपति प्रोफेसर समर सिंह ने कहे। वे विश्वविद्यालय के मौलिक विज्ञान एवं मानविकी महाविद्यालय के सभागार में औषधीय संगध एवं क्षमतावान फसलों का फसल विविधिकरण एवं मानव स्वास्थ्य विषय को लेकर एक जागरूकता सेमिनार के दौरान बतौर मुख्यातिथि संबोधित कर रहे थे। कार्यक्रम का आयोजन कृषि महाविद्यालय के आनुवांशिकी एवं पौध प्रजनन विभाग के औषधीय संगध एवं क्षमतावान फसल अनुभाग की ओर से आयोजित किया गया। मुख्यातिथि ने कहा कि वर्तमान की विषम परिस्थितियों में औषधीय पौधों की वैश्विक स्तर पर बहुत अधिक महत्ता बढ़ रही है। इसलिए फसल विविधिकरण में भी औषधीय पौधों की महत्वपूर्ण भूमिका है। इससे किसानों को आमदनी में भी इजाफा होता है और ये स्वास्थ्य के लिए भी लाभदायक हैं। इसलिए लोगों को प्राचीन आयुर्वेद पद्धति की ओर फिर से लौटना होगा। उन्होंने किसानों से भी गुणवत्तापूर्वक औषधीय पौधों की खेती को अपनाने का आह्वान किया, क्योंकि इनकी वैश्विक स्तर पर बहुत अधिक मांग है। ऐसा करने से किसानों की आर्थिक स्थिति मजबूत होगी। उन्होंने कहा कि भारत सरकार ने भी औषधीय फसलों और आयुर्वेद को बढ़ावा देने के लिए आयुष मंत्रालय की स्थापना की है। इस दौरान कुलपति प्रोफेसर समर सिंह ने अनुभाग के वैज्ञानिकों द्वारा लिखी गई पुस्तक मेडिसनल गार्डन एट ए गलांस का भी विमोचन किया।

अपने घर में भी लगाएं औषधीय पौधे : डॉ. सुखवीर वर्मा

कार्यक्रम के मुख्य वक्ता सामान्य अस्पताल हिसार से आयुर्वेद चिकित्सक डॉ. सुखवीर वर्मा ने कहा कि हमारे जीवन में घर की रसोई से लेकर अन्य सभी जरूरत की जगहों पर आयुर्वेद का बहुत महत्व है। उन्होंने स्वास्थ्य रक्षा एवं रोगों के निदान में औषधीय जड़ी बुटियों के उपयोग के बारे में विस्तारपूर्वक जानकारी दी। उन्होंने अपने घरों में तुलसी, एलोवीरा, अश्वगंधा, गिलोय जैसे औषधीय पौधों को लगाने का आह्वान किया। विश्वविद्यालय के कुलसचिव एवं विस्तार शिक्षा निदेशक डॉ. बी.आर. कंबोज ने औषधीय पौधों को फसल विविधिकरण के रूप में अपनाने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि किसान कम ऊपजाऊ व कम सिंचित क्षेत्रों में भी औषधीय पौधों की खेती को आसानी से कर सकते हैं। इस दौरान कैंपस स्कूल की छात्रा पूर्वा शर्मा ने औषधीय पौधों की उपयोग संबंधित विस्तृत जानकारी प्रदान की। कृषि महाविद्यालय के अधिष्ठाता डॉ. ए.के. छाबड़ा ने सभी मुख्यातिथियों का स्वागत करते हुए कार्यक्रम की रूपरेखा से अवगत करवाया। उन्होंने कहा कि भारत विश्व में औषधीय पौधों में दूसरे स्थान पर है। प्रत्येक पौधे में औषधीय गुण मौजूद होते हैं, लेकिन हम जानकारी के अभाव में उनका लाभ नहीं उठा पाते। भविष्य में हर पौधा अपनी अलग पहचान बनाएगा। हमें औषधीय पौधों की लुप्त होती प्रजातियों को बचाना है। औषधीय संगध एवं क्षमतावान फसल अनुभाग के अध्यक्ष एवं प्रधान वैज्ञानिक डॉ. पवन कुमार ने कार्यक्रम में मौजूद सभी अतिथियों व प्रतिभागियों का धन्यवाद किया। साथ ही वक्ताओं द्वारा दिए गए व्याख्यानों का अनुसरण करने के लिए प्रेरित किया। कार्यक्रम का संचालन डॉ. रवि कुमार ने किया। कार्यक्रम के सफल संचालन में डॉ. राजेश कुमार आर्य, डॉ. झाबरमल सुतलिया एवं तकनीकी सहायक रामस्वरूप का विशेष सहयोग रहा।

कार्यक्रम में कुलपति के ओएसडी डॉ. एम.एस. सिद्धपुरिया, गृहविज्ञान महाविद्यालय की अधिष्ठाता डॉ. बिमला ढांडा, मौलिक विज्ञान एवं मानविकी महाविद्यालय के अधिष्ठाता डॉ. राजवीर सिंह, पुस्कालयाध्यक्ष डॉ. बलवान सिंह सहित विश्वविद्यालय के निदेशक, विभागाध्यक्ष एवं विद्यार्थी मौजूद रहे।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
हिसार टूडे	**18.03.2021**	--	--

कोरोना से बचाव में औषधीय पौधों की भूमिका : प्रो. समर सिंह

एचएयू में औषधीय पौधों की कोरोना में विशेष महत्ता को लेकर कार्यक्रम आयोजित

टूडे न्यूज | हिसार

कार्यक्रम के दौरान पुस्तक का विमोचन करते विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर समर सिंह व कार्यक्रम में मौजूद अन्य।

वर्तमान समय में वैश्विक स्तर पर फैली कोरोना महामारी से बचाव के लिए औषधीय पौधों की महत्वपूर्ण भूमिका है। इसलिए प्रत्येक व्यक्ति को आयुर्वेदिक चिकित्सा अनुसार इनका उपयोग करना चाहिए। ये विचार चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय हिसार के कुलपति प्रोफेसर समर सिंह ने कहे। वे विश्वविद्यालय के मौलिक विज्ञान एवं मानविकी महाविद्यालय के सभागार में औषधीय संगध एवं क्षमतावान फसलों का फसल विविधिकरण एवं मानव स्वास्थ्य विषय को लेकर एक जागरूकता सेमिनार के दौरान बतौर मुख्यातिथि संबोधित कर रहे थे।

कार्यक्रम का आयोजन कृषि महाविद्यालय के आनुवांशिकी एवं पौध प्रजनन विभाग के औषधीय संगध एवं क्षमतावान फसल अनुभाग की ओर से आयोजित किया गया। मुख्यातिथि ने कहा कि वर्तमान की विषम परिस्थितियों में औषधीय पौधों की वैश्विक स्तर पर बहुत अधिक महत्ता बढ़ रही है। इसलिए फसल विविधिकरण में भी औषधीय पौधों की महत्वपूर्ण भूमिका है। इससे किसानों को आमदनी में भी इजाफा होता है और ये स्वास्थ्य के लिए भी लाभदायक हैं। इसलिए लोगों को प्राचीन आयुर्वेद पद्धति की ओर फिर से लौटना होगा। उन्होंने किसानों से भी गुणवत्तापूर्वक औषधीय पौधों की खेती को अपनाने का आह्वान किया, क्योंकि इनकी वैश्विक स्तर पर बहुत अधिक मांग है। ऐसा करने से किसानों की आर्थिक स्थिति मजबूत होगी। उन्होंने कहा कि भारत सरकार ने भी औषधीय फसलों और आयुर्वेद को बढ़ावा देने के लिए आयुष मंत्रालय की स्थापना की है। इस दौरान कुलपति प्रोफसर समर सिह ने अनुभाग के वैज्ञानिकों द्वारा लिखी गई पुस्तक मेडिसनल गार्डन एट ए गलांस का भी विमोचन किया। कार्यक्रम के मुख्य वक्ता सामान्य अस्पताल हिसार से आयुर्वेद चिकित्सक डॉ. सुखवीर वर्मा ने कहा कि हमारे जीवन में घर की रसोई से लेकर अन्य सभी जरूरत की जगहों पर आयुर्वेद का बहुत महत्व है। उन्होंने स्वास्थ्य रक्षा एवं रोगों के निदान में औषधीय जड़ी बुटियों के उपयोग के बारे में विस्तारपूर्वक जानकारी दी।

उन्होंने अपने घरों में तुलसी, एलोवीरा, अश्वगंधा, गिलोय जैसे औषधीय पौधों को लगाने का आह्वान किया। विश्वविद्यालय के कुलसचिव एवं विस्तार शिक्षा निदेशक डॉ. बी.आर. कंबोज ने औषधीय पौधों को फसल विविधिकरण के रूप में अपनाने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि किसान कम ऊपजाऊ व कम सिंचित क्षेत्रों में भी औषधीय पौधों की खेती को आसानी से कर सकते हैं। इस दौरान कैंपस स्कूल की छात्रा पूर्वा शर्मा ने औषधीय पौधों की उपयोग संबंधित विस्तृत जानकारी प्रदान की। कृषि महाविद्यालय के अधिष्ठाता डॉ. ए.के. छाबड़ा ने सभी मुख्यातिथियों का स्वागत करते हुए कार्यक्रम की रूपरेखा से अवगत करवाया। उन्होंने कहा कि भारत विश्व में औषधीय पौधों में दूसरे स्थान पर है। प्रत्येक पौधे में औषधीय गुण मौजूद होते हैं, लेकिन हम जानकारी के अभाव में उनका लाभ नहीं उठा पाते। भविष्य में हर पौधा अपनी अलग पहचान बनाएगा। हमें औषधीय पौधों की लुप्त होती प्रजातियों को बचाना है। औषधीय संगध एवं क्षमतावान फसल अनुभाग के अध्यक्ष एवं प्रधान वैज्ञानिक डॉ. पवन कुमार ने कार्यक्रम में मौजूद सभी अतिथियों व प्रतिभागियों का धन्यवाद किया। साथ ही वक्ताओं द्वारा दिए गए व्याख्यानों का अनुसरण करने के लिए प्रेरित किया। कार्यक्रम का संचालन डॉ. रवि कुमार ने किया। कार्यक्रम के सफल संचालन में डॉ. राजेश कुमार आर्य, डॉ. झाबरमल सुतलिया एवं तकनीकी सहायक रामस्वरूप का विशेष सहयोग रहा। कार्यक्रम में कुलपति के ओएसडी डॉ. एम.एस. सिद्धपुरिया, गृहविज्ञान महाविद्यालय की अधिष्ठाता डॉ. बिमला ढांडा, मौलिक विज्ञान एवं मानविकी महाविद्यालय के अधिष्ठाता डॉ. राजवीर सिंह, पुस्कालयाध्यक्ष डॉ. बलवान सिंह सहित विश्वविद्यालय के निदेशक, विभागाध्यक्ष एवं विद्यार्थी मौजूद रहे।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
सिटी पल्स	**18.03.2021**	--	--

एचएयू में औषधीय पौधों की कोरोना में विशेष महत्ता को लेकर कार्यक्रम आयोजित

सिटी पल्स न्यूज़, हिसार। वर्तमान समय में फैली कोरोना महामारी से बचाव के लिए औषधीय पौधों की महत्वपूर्ण भूमिका है इसलिए प्रत्येक व्यक्ति को आयुर्वेदिक चिकित्सा अनुसार इनका उपयोग करना चाहिए। ये विचार हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. समर सिंह ने कहे। वे विश्वविद्यालय के मौलिक विज्ञान एवं मानविकी महाविद्यालय के सभागार में औषधीय संगध एवं क्षमतावान फसलों का फसल विविधिकरण एवं मानव स्वास्थ्य विषय को लेकर एक जागरूकता सेमिनार के दौरान बतौर मुख्यातिथि संबोधित कर रहे थे। मुख्यातिथि ने कहा कि वर्तमान की विषम परिस्थितियों में औषधीय पौधों की वैश्विक स्तर पर बहुत अधिक महत्ता बढ़ रही है इसलिए फसल विविधिकरण में भी औषधीय पौधों की महत्वपूर्ण भूमिका है। इससे किसानों को आमदनी में भी इजाफा होता है और ये स्वास्थ्य के लिए भी लाभदायक हैं। इसलिए लोगों को प्राचीन आयुर्वेद पद्धति की ओर फिर से लौटना होगा। उन्होंने किसानों से भी गुणवत्तापूर्वक औषधीय पौधों की खेती को अपनाने का आह्वान किया, क्योंकि इनकी वैश्विक स्तर पर बहुत अधिक मांग है। ऐसा करने से किसानों की आर्थिक स्थिति मजबूत होगी। उन्होंने कहा कि भारत सरकार ने भी औषधीय फसलों और आयुर्वेद को बढ़ावा देने के लिए आयुष मंत्रालय की स्थापना की है। इस दौरान कुलपति प्रोफसर समर सिह ने अनुभाग के वैज्ञानिकों द्वारा लिखी गई पुस्तक मेडिसनल गार्डन एटए गलांस का भी विमोचन किया।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
नभ छोर	**18.03.2021**	--	--

औषधीय पौधों की वैश्विक स्तर पर बढ़ रही है महत्ता : कुलपति

हिसार/18 मार्च/रिपोर्टर

वर्तमान समय में वैश्विक स्तर पर फैली कोरोना महामारी से बचाव के लिए औषधीय पौधों की महत्वपूर्ण भूमिका है। इसलिए प्रत्येक व्यक्ति को आयुर्वेदिक चिकित्सा अनुसार इनका उपयोग करना चाहिए। ये विचार चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर समर सिंह ने व्यक्त किए। वे विश्वविद्यालय के मौलिक विज्ञान एवं मानविकी महाविद्यालय के सभागार में औषधीय संगध एवं क्षमतावान फसलों का फसल विविधिकरण एवं मानव स्वास्थ्य विषय को लेकर एक जागरूकता सेमिनार के दौरान बतौर मुख्यातिथि संबोधित कर रहे थे। कार्यक्रम का आयोजन कृषि महाविद्यालय के आनुवांशिकी एवं पौध प्रजनन विभाग के औषधीय संगध एवं क्षमतावान फसल अनुभाग की ओर से आयोजित किया गया। मुख्यातिथि ने कहा कि वर्तमान की विषम परिस्थितियों में औषधीय पौधों की वैश्विक स्तर पर बहुत अधिक महत्ता बढ़ रही है। इसलिए फसल विविधिकरण में भी औषधीय पौधों की महत्वपूर्ण भूमिका है। इससे किसानों को आमदनी में भी इजाफा होता है और ये स्वास्थ्य के लिए भी लाभदायक हैं। इसलिए लोगों को प्राचीन आयुर्वेद पद्धति की ओर फिर से लौटना होगा। उन्होंने किसानों से भी गुणवत्तापूर्वक औषधीय पौधों की खेती को अपनाने का आह्वान किया, क्योंकि इनकी वैश्विक स्तर पर बहुत अधिक मांग है। ऐसा करने से किसानों की आर्थिक स्थिति मजबूत होगी। उन्होंने कहा कि भारत सरकार ने भी औषधीय फसलों और आयुर्वेद को बढ़ावा देने के लिए आयुष मंत्रालय की स्थापना की है। इस दौरान कुलपति ने अनुभाग के वैज्ञानिकों द्वारा लिखी गई पुस्तक मेडिसनल गार्डन एट ए गलांस का भी विमोचन किया। कार्यक्रम के मुख्य वक्ता सामान्य अस्पताल से आयुर्वेद चिकित्सक डॉ. सुखवीर वर्मा ने कहा कि हमारे जीवन में घर की रसोई से लेकर अन्य सभी जरूरत की जगहों पर आयुर्वेद का बहुत महत्व है। उन्होंने स्वास्थ्य रक्षा एवं रोगों के निदान में औषधीय जड़ी बुटियों के उपयोग के बारे में जानकारी दी। उन्होंने अपने घरों में तुलसी, एलोवीरा, अश्वगंधा, गिलोय जैसे औषधीय पौधों को लगाने का आह्वान किया। विश्वविद्यालय के कुलसचिव एवं विस्तार शिक्षा निदेशक डॉ. बीआर कंबोज ने औषधीय पौधों को फसल विविधिकरण के रूप में अपनाने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि किसान कम उपजाऊ व कम सिंचित क्षेत्रों में भी औषधीय पौधों की खेती को आसानी से कर सकते हैं। इस दौरान कैंपस स्कूल की छात्रा पूर्वा शर्मा ने औषधीय पौधों की उपयोग संबंधित जानकारी प्रदान की। कृषि महाविद्यालय के अधिष्ठाता डॉ. एके छाबड़ा ने कहा कि भारत विश्व में औषधीय पौधों में दूसरे स्थान पर है। प्रत्येक पौधे में औषधीय गुण मौजूद होते हैं, लेकिन हम जानकारी के अभाव में उनका लाभ नहीं उठा पाते। भविष्य में हर पौधा अपनी अलग पहचान बनाएगा। हमें औषधीय पौधों की लुप्त होती प्रजातियों को बचाना है। औषधीय संगध एवं क्षमतावान फसल अनुभाग के अध्यक्ष एवं प्रधान वैज्ञानिक डॉ. पवन कुमार ने कार्यक्रम में मौजूद सभी अतिथियों व प्रतिभागियों का धन्यवाद किया। साथ ही वक्ताओं द्वारा दिए गए व्याख्यानों का अनुसरण करने के लिए प्रेरित किया। कार्यक्रम का संचालन डॉ. रवि कुमार ने किया। कार्यक्रम के सफल संचालन में डॉ. राजेश कुमार आर्य, डॉ. झाबरमल सुतलिया एवं तकनीकी सहायक रामस्वरूप का विशेष सहयोग रहा। कार्यक्रम में कुलपति के ओएसडी डॉ. एमएस सिद्धपुरिया, गृहविज्ञान महाविद्यालय की अधिष्ठाता डॉ. बिमला ढांडा, मौलिक विज्ञान एवं मानविकी महाविद्यालय के अधिष्ठाता डॉ. राजवीर सिंह, पुस्तकालयाध्यक्ष डॉ. बलवान सिंह सहित विश्वविद्यालय के निदेशक, विभागाध्यक्ष एवं विद्यार्थी मौजूद रहे।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
समस्त हरियाणा न्यूज	**18.03.2021**	--	--

हकृवि में आयोजित जागरूकता सेमिनार में औषधीय पौधे लगाने पर दिया जोर

कोरोना से बचाव में औषधीय पौधों की भूमिका अहम् : वीसी

समस्त हरियाणा न्यूज

हिसार। वर्तमान समय में वैश्विक स्तर पर फैली कोरोना महामारी से बचाव के लिए औषधीय पौधों की महत्वपूर्ण भूमिका है। इसलिए प्रत्येक व्यक्ति को आयुर्वेदिक चिकित्सा अनुसार इनका उपयोग करना चाहिए। ये विचार चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. समर सिंह ने कहे। वे विश्वविद्यालय के मौलिक विज्ञान एवं मानविकी महाविद्यालय के सभागार में औषधीय संगध एवं क्षमतावान फसलों का फसल विविधिकरण एवं मानव स्वास्थ्य विषय को लेकर एक जागरूकता सेमिनार के दौरान बतौर मुख्यातिथि संबोधित कर रहे थे। कार्यक्रम का आयोजन कृषि महाविद्यालय के आनुवांशिकी एवं पौध प्रजनन विभाग के औषधीय संगध एवं क्षमतावान फसल अनुभाग की ओर से आयोजित किया गया। मुख्यातिथि ने कहा कि वर्तमान की विषम परिस्थितियों में औषधीय पौधों की वैश्विक स्तर पर बहुत अधिक महत्ता बढ़ रही है।

यह रहे मौजूद

कार्यक्रम का संचालन डॉ. रवि कुमार ने किया। कार्यक्रम के सफल संचालन में डॉ. राजेश कुमार आर्य, डॉ. झाबरमल सुतलिया एवं तकनीकी सहायक रामस्वरूप का विशेष सहयोग रहा। कार्यक्रम में कुलपति के ओएसडी डॉ. एम.एस. सिद्धपुरिया, गृहविज्ञान महाविद्यालय की अधिष्ठाता डॉ. बिमला ढांडा, मौलिक विज्ञान एवं मानविकी महाविद्यालय के अधिष्ठाता डॉ. राजवीर सिंह, पुस्कालयाध्यक्ष डॉ. बलवान सिंह सहित विश्वविद्यालय के निदेशक, विभागाध्यक्ष एवं विद्यार्थी मौजूद रहे।

जरूरत की जगहों पर आयुर्वेद का बहुत महत्व : डॉ. सुखवीर

कार्यक्रम के मुख्य वक्ता सामान्य अस्पताल हिसार से आयुर्वेद चिकित्सक डॉ. सुखवीर वर्मा ने कहा कि हमारे जीवन में घर की रसोई से लेकर अन्य सभी जरूरत की जगहों पर आयुर्वेद का बहुत महत्व है। उन्होंने स्वास्थ्य रक्षा एवं रोगों के निदान में औषधीय जड़ी बुटियों के उपयोग के बारे में विस्तारपूर्वक जानकारी दी। उन्होंने अपने घरों में तुलसी, एलोवीरा, अश्वगंधा, गिलोय जैसे औषधीय पौधों को लगाने का आह्वान किया।

आसानी से कर सकते हैं औषधीय पौधों की खेती : डॉ. कंबोज

विश्वविद्यालय के कुलसचिव एवं विस्तार शिक्षा निदेशक डॉ. बी.आर. कंबोज ने औषधीय पौधों को फसल विविधिकरण के रूप में अपनाने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि किसान कम ऊपजाऊ व कम सिंचित क्षेत्रों में भी औषधीय पौधों की खेती को आसानी से कर सकते हैं। इस दौरान कैंपस स्कूल की छात्रा पूर्वा शर्मा ने औषधीय पौधों की उपयोग संबंधित विस्तृत जानकारी प्रदान की। प्रत्येक पौधे में औषधीय गुण मौजूद होते हैं

भारत विश्व में औषधीय पौधों में दूसरे स्थान पर : डॉ. छाबड़ा

कृषि महाविद्यालय के अधिष्ठाता डॉ. ए.के. छाबड़ा ने सभी मुख्यातिथियों का स्वागत करते हुए कार्यक्रम की रूपरेखा से अवगत करवाया। उन्होंने कहा कि भारत विश्व में औषधीय पौधों में दूसरे स्थान पर है। प्रत्येक पौधे में औषधीय गुण मौजूद होते हैं, लेकिन हम जानकारी के अभाव में उनका लाभ नहीं उठा पाते। भविष्य में हर पौधा अपनी अलग पहचान बनाएगा। हमें औषधीय पौधों की लुप्त होती प्रजातियों को बचाना है। औषधीय संगध एवं क्षमतावान फसल अनुभाग के अध्यक्ष एवं प्रधान वैज्ञानिक डॉ. पवन कुमार ने कार्यक्रम में मौजूद सभी अतिथियों व प्रतिभागियों का धन्यवाद किया। साथ ही वक्ताओं द्वारा दिए गए व्याख्यानों का अनुसरण करने के लिए प्रेरित किया।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
पंजाब केसरी दिल्ली	**19.03.2021**	--	--

कोरोना से बचाव में औषधीय पौधों की भूमिका अहम

हिसार, राज पराशर (पंजाब केसरी) : वर्तमान समय में वैश्विक स्तर पर फैली कोरोना महामारी से बचाव के लिए औषधीय पौधों की महत्वपूर्ण भूमिका है। इसलिए प्रत्येक व्यक्ति को आयुर्वेदिक चिकित्सा अनुसार इनका उपयोग करना चाहिए। ये विचार चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय हिसार के कुलपति प्रोफेसर समर सिंह ने कहे। वे विश्वविद्यालय के मौलिक विज्ञान एवं मानविकी महाविद्यालय के सभागार में औषधीय संगध एवं क्षमतावान फसलों का फसल विविधिकरण एवं मानव स्वास्थ्य विषय को लेकर एक जागरूकता सेमिनार के दौरान बतौर मुख्यातिथि संबोधित कर रहे थे। कार्यक्रम का आयोजन कृषि महाविद्यालय के आनुवांशिकी एवं पौध प्रजनन विभाग के औषधीय संगध एवं क्षमतावान फसल अनुभाग की ओर से आयोजित किया गया।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
अजीत समाचार न्यूज	**18.03.2021**	--	--

एचएयू में औषधीय पौधों की कोरोना में विशेष महत्ता को लेकर कार्यक्रम आयोजित

कोरोना से बचाव में औषधीय पौधों की भूमिका अहम : समर सिंह

हिसार : कार्यक्रम के दौरान पुस्तक का विमोचन करते विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर समर सिंह व कार्यक्रम में मौजूद अन्य।

हिसार, 18 मार्च (राजकुमार) : वर्तमान समय में वैश्विक स्तर पर फैली कोरोना महामारी से बचाव के लिए औषधीय पौधों की महत्वपूर्ण भूमिका है। इसलिए प्रत्येक व्यक्ति को आयुर्वेदिक चिकित्सा अनुसार इनका उपयोग करना चाहिए। ये विचार चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय हिसार के कुलपति प्रोफेसर समर सिंह ने कहे। वे विश्वविद्यालय के मौलिक विज्ञान एवं मानविकी महाविद्यालय के सभागार में औषधीय संगध एवं क्षमतावान फसलों का फसल विविधिकरण एवं मानव स्वास्थ्य विषय को लेकर एक जागरूकता सेमिनार के दौरान बतौर मुख्यातिथि संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि भारत सरकार ने भी औषधीय फसलों और आयुर्वेद को बढ़ावा देने के लिए आयुष मंत्रालय की स्थापना की है। इस दौरान कुलपति प्रोफसर समर सिह ने अनुभाग के वैज्ञानिकों द्वारा लिखी गई पुस्तक मेडिसनल गार्डन एट ए गलांस का भी विमोचन किया।

कार्यक्रम के मुख्य वक्ता सामान्य अस्पताल हिसार से आयुर्वेद चिकित्सक डॉ. सुखवीर वर्मा ने कहा कि हमारे जीवन में घर की रसोई से लेकर अन्य सभी जरूरत की जगहों पर आयुर्वेद का बहुत महत्व है। उन्होंने अपने घरों में तुलसी, एलोवीरा, अश्वगंधा, गिलोय जैसे औषधीय पौधों को लगाने का आह्वान किया। कार्यक्रम में कुलपति के ओएसडी डॉ. एम.एस. सिद्धपुरिया, गृहविज्ञान महाविद्यालय की अधिष्ठाता डॉ. विमला ढांडा, मौलिक विज्ञान एवं मानविकी महाविद्यालय के अधिष्ठाता डॉ. राजवीर सिंह, पुस्कालयाध्यक्ष डॉ. बलवान सिंह सहित विश्वविद्यालय के निदेशक, विभागाध्यक्ष एवं विद्यार्थी मौजूद रहे।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
पाठक पक्ष	**18.03.2021**	--	--

कोरोना से बचाव में औषधीय पौधों की भूमिका अहम: प्रोफेसर समर सिंह

पाठकपक्ष न्यूज

हिसार, 18 मार्च : वर्तमान समय में वैश्विक स्तर पर फैली कोरोना महामारी से बचाव के लिए औषधीय पौधों की महत्वपूर्ण भूमिका है। इसलिए प्रत्येक व्यक्ति को आयुर्वेदिक चिकित्सा अनुसार इनका उपयोग करना चाहिए। ये विचार चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय हिसार के कुलपति प्रोफेसर समर सिंह ने कहे। वे विश्वविद्यालय के मौलिक विज्ञान एवं मानविकी महाविद्यालय के सभागार में औषधीय संगध एवं क्षमतावान फसलों का फसल विविधिकरण एवं मानव स्वास्थ्य विषय को लेकर एक जागरूकता सेमिनार के दौरान बतौर मुख्यातिथि संबोधित कर रहे थे। कार्यक्रम का आयोजन कृषि महाविद्यालय के आनुवांशिकी एवं पौध प्रजनन विभाग के औषधीय संगध एवं क्षमतावान फसल अनुभाग की ओर से आयोजित किया गया। इस दौरान कुलपति प्रोफसर समर सिह ने अनुभाग के वैज्ञानिकों द्वारा लिखी गई पुस्तक मेडिसनल गार्डन एट ए गलांस का भी विमोचन किया। कार्यक्रम के मुख्य वक्ता सामान्य

अस्पताल हिसार से आयुर्वेद चिकित्सक डॉ. सुखवीर वर्मा ने कहा कि हमारे जीवन में घर की रसोई से लेकर अन्य सभी जरूरत की जगहों पर आयुर्वेद का बहुत महत्व है। उन्होंने स्वास्थ्य रक्षा एवं रोगों के निदान में औषधीय जड़ी बुटियों के उपयोग के बारे में विस्तारपूर्वक जानकारी दी। उन्होंने अपने घरों में तुलसी, एलोवीरा, अश्वगंधा, गिलोय जैसे औषधीय पौधों को लगाने का आह्वान किया। विश्वविद्यालय के कुलसचिव एवं विस्तार शिक्षा निदेशक डॉ. बी.आर. कंबोज ने औषधीय पौधों को फसल विविधिकरण के रूप में अपनाने का आहवान किया। इस दौरान कैंपस स्कूल की छात्रा पूर्वा शर्मा ने औषधीय पौधों की उपयोग संबंधित विस्तृत जानकारी प्रदान की। कृषि महाविद्यालय के अधिष्ठाता डॉ. ए.के. छाबड़ा ने कहा कि भारत विश्व में औषधीय पौधों में दूसरे स्थान पर है। औषधीय संगध एवं क्षमतावान फसल अनुभाग के अध्यक्ष एवं प्रधान वैज्ञानिक डॉ. पवन कुमार ने कार्यक्रम में मौजूद सभी अतिथियों व प्रतिभागियों का धन्यवाद किया। साथ ही वक्ताओं द्वारा दिए गए व्याख्यानों का अनुसरण करने के लिए प्रेरित किया। कार्यक्रम का संचालन डॉ. रवि कुमार ने किया। कार्यक्रम के सफल संचालन में डॉ. राजेश कुमार आर्य, डॉ. झाबरमल सुतलिया एवं तकनीकी सहायक रामस्वरूप का विशेष सहयोग रहा। कार्यक्रम में कुलपति के ओएसडी डॉ. एम.एस. सिद्धपुरिया, गृहविज्ञान महाविद्यालय की अधिष्ठाता डॉ. बिमला ढांडा, मौलिक विज्ञान एवं मानविकी महाविद्यालय के अधिष्ठाता डॉ. राजवीर सिंह, पुस्कालयाध्यक्ष डॉ. बलवान सिंह सहित विश्वविद्यालय के निदेशक, विभागाध्यक्ष एवं विद्यार्थी मौजूद रहे।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम दैनिक सवेरा, अमर उजाला

दिनांक 19.3.2021 पृष्ठ संख्या 3, 4 कॉलम 2-7, 1-2

एचएयू के सस्य विज्ञान विभाग द्वारा किसान प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित

हिसार, 18 मार्च (सवेरा) : चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के सस्य विज्ञान विभाग द्वारा बारानी खेती अनुसंधान प्रक्षेत्र पर एक दिवसीय किसान प्रशिक्षण का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में विश्वविद्यालय के कुलसचिव एवं विस्तार शिक्षा निदेशक डॉ. बी.आर. कम्बोज मुख्य अतिथि रहे। सस्य विज्ञान विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ. एस. के. ठकराल ने केंचुआ खाद तैयार करने की विधि एवं इसकी उपयोगिता के बारे में विस्तारपूर्वक बताया। डॉ. जगदेव सिंह ने बारानी क्षेत्रों में पानी के संचयन की उपयोगिता पर प्रकाश डाला। इसके साथ-साथ उन्होंने किसानों से बारानी क्षेत्रों में बेर एवं करौंदा आदि को अपनाने के लिए प्रेरित किया ताकि किसान अपनी आमदनी बढ़ा सके। प्रशिक्षण के समन्वयक डा. सुरेन्द्र कुमार शर्मा ने उपस्थित किसानों को बारानी क्षेत्र अनुसंधान प्रक्षेत्र पर अपनाई गई तकनीकियों का अवलोकन करवाया।

नई तकनीक अपनाने के लिए किसानों को किया प्रेरित

हिसार। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय (एचएयू) के सस्य विज्ञान विभाग द्वारा बारानी खेती अनुसंधान प्रक्षेत्र पर एक दिवसीय किसान प्रशिक्षण का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में विश्वविद्यालय के कुलसचिव एवं विस्तार शिक्षा निदेशक डॉ. बीआर कंबोज मुख्य अतिथि रहे। उन्होंने किसानों को विश्वविद्यालय द्वारा प्रदान की गई तकनीकी को अपने खेत पर अपनाने के लिए प्रेरित किया व इस प्रकार के कार्यक्रमों में बढ़-चढ़कर भाग लेने का आह्वान किया। ब्यूरो

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
पांच बजे न्यूज	**18.03.2021**	--	--

एचएयू के सस्य विज्ञान विभाग द्वारा किसान प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित

हिसार। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय हिसार के सस्य विज्ञान विभाग द्वारा बारानी खेती अनुसंधान प्रक्षेत्र पर एक दिवसीय किसान प्रशिक्षण का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में विश्वविद्यालय के कुलसचिव एवं विस्तार शिक्षा निदेशक डॉ. बी.आर. कम्बोज मुख्य अतिथि रहे। उन्होंने उपस्थित किसानों को विश्वविद्यालय द्वारा प्रदान की गई तकनीकियों को अपने खेत पर अपनाने के लिए प्रेरित किया व इस प्रकार के कार्यक्रमों में बढ़-चढ़कर भाग लेने का आह्वान किया। सस्य विज्ञान विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ. एसके ठकराल ने केंचुआ खाद तैयार करने की विधि एवं इसकी उपयोगिता के बारे में विस्तारपूर्वक बताया। डॉ. जगदेव सिंह ने बारानी क्षेत्रों में पानी के संचयन की उपयोगिता पर प्रकाश डाला। इसके साथ-साथ उन्होंने किसानों से बारानी क्षेत्रों में बेर एवं करौंदा आदि को अपनाने के लिए प्रेरित किया ताकि किसान अपनी आमदनी बढ़ा सके। प्रशिक्षण के समन्वयक डॉ. सुरेन्द्र कुमार शर्मा ने उपस्थित किसानों को बारानी क्षेत्र अनुसंधान प्रक्षेत्र पर अपनाई गई तकनीकियों का अवलोकन करवाया। उन्होंने किसानों को बारानी क्षेत्रों में बोई जाने वाली फसलों में उन्नत सस्य क्रियाओं जैसे समय पर बिजाई, बीज उपचार, खाद प्रबधंन, खरपतवार नियत्रंण आदि की विस्तारपूर्वक जानकारी दी। कार्यक्रम में गांव बुड़ाक, बालावास व नलवा के 40 किसानों ने भाग लिया।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
सिटी पल्स	**18.03.2021**	--	--

एचएयू के सस्य विज्ञान विभाग द्वारा किसान प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित

सिटी पल्स न्यूज़, हिसार। हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय हिसार के सस्य विज्ञान विभाग द्वारा बारानी खेती अनुसंधान प्रक्षेत्र पर एक दिवसीय किसान प्रशिक्षण का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में कुलसचिव एवं विस्तार शिक्षा निदेशक डॉ. बी. आर. कम्बोज मुख्य अतिथि रहे। उन्होंने उपस्थित किसानों को विश्वविद्यालय द्वारा प्रदान की गई तकनीकियों को अपने खेत पर अपनाने के लिए प्रेरित किया व इस प्रकार के कार्यक्रमों में भाग लेने का आह्वान किया। सस्य विज्ञान विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ. एस. के. ठकराल ने केंचुआ खाद तैयार करने की विधि एवं इसकी उपयोगिता के बारे में बताया। प्रशिक्षण के समन्वयक डॉ. सुरेन्द्र कुमार शर्मा ने उपस्थित किसानों को बारानी क्षेत्र अनुसंधान प्रक्षेत्र पर अपनाई गई तकनीकियों का अवलोकन करवाया। उन्होंने किसानों को बारानी क्षेत्रों में बोई जाने वाली फसलों में उन्नत सस्य क्रियाओं जैसे समय पर बिजाई, बीज उपचार, खाद प्रबधंन, खरपतवार नियत्रंण आदि की विस्तारपूर्वक जानकारी दी। कार्यक्रम में गांव बुड़ाक, बालावास व नलवा के 40 किसानों ने भाग लिया।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
नभ छोर	**18.03.2021**	--	--

बारानी खेती पर किसान प्रशिक्षण आयोजित

हिसार/18 मार्च/रिपोर्टर

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के सस्य विज्ञान विभाग द्वारा बारानी खेती अनुसंधान प्रक्षेत्र पर एक दिवसीय किसान प्रशिक्षण का आयोजन किया गया जिसमें कुलसचिव एवं विस्तार शिक्षा निदेशक डॉ. बीआर कम्बोज मुख्य अतिथि रहे। उन्होंने उपस्थित किसानों को विश्वविद्यालय द्वारा प्रदान की गई तकनीकियों को अपने खेत पर अपनाने के लिए प्रेरित किया व इस प्रकार के कार्यक्रमों में भाग लेने का आह्वान किया। सस्य विज्ञान विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ. एसके ठकराल ने केंचुआ खाद तैयार करने की विधि एवं इसकी उपयोगिता के बारे में बताया। डॉ. जगदेव सिंह ने बारानी क्षेत्रों में पानी के संचयन की उपयोगिता पर प्रकाश डाला। इसके साथ-साथ उन्होंने किसानों से बारानी क्षेत्रों में बेर एवं करौंदा आदि को अपनाने के लिए प्रेरित किया ताकि किसान अपनी आमदनी बढ़ा सकें। प्रशिक्षण के समन्वयक डॉ. सुरेन्द्र कुमार शर्मा ने उपस्थित किसानों को बारानी क्षेत्र अनुसंधान प्रक्षेत्र पर अपनाई गई तकनीकियों का अवलोकन करवाया। उन्होंने किसानों को बारानी क्षेत्रों में बोई जाने वाली फसलों में उन्नत सस्य क्रियाओं जैसे समय पर बिजाई, बीज उपचार, खाद प्रबधंन, खरपतवार नियत्रंण आदि की विस्तारपूर्वक जानकारी दी। कार्यक्रम में गांव बुड़ाक, बालावास व नलवा के 40 किसानों ने भाग लिया। सभी किसानों ने प्रक्षेत्र पर सरसों की आरएच-725 प्रजाति में अपनाई गई तकनीकियों की सराहना की व इन तकनीकियों को अपने खेत पर अपनाने का संकल्प भी लिया।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
हिसार टूडे	**18.03.2021**	--	--

एचएयू के सस्य विज्ञान विभाग द्वारा किसान प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित

टुडे न्यूज | हिसार

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय हिसार के सस्य विज्ञान विभाग द्वारा बारानी खेती अनुसंधान प्रक्षेत्र पर एक दिवसीय किसान प्रशिक्षण का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में विश्वविद्यालय के कुलसचिव एवं विस्तार शिक्षा निदेशक डॉ. बी.आर. कम्बोज मुख्य अतिथि रहे। उन्होंने उपस्थित किसानों को विश्वविद्यालय द्वारा प्रदान की गई तकनीकियों को अपने खेत पर अपनाने के लिए प्रेरित किया व इस प्रकार के कार्यक्रमों में बढ़-चढक़र भाग लेने का आह्वान किया। सस्य विज्ञान विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ. एस. के. ठकराल ने केंचुआ खाद तैयार करने की विधि एवं इसकी उपयोगिता के बारे में विस्तारपूर्वक बताया। डॉ. जगदेव सिंह ने बारानी क्षेत्रों में पानी के संचयन की उपयोगिता पर प्रकाश डाला। इसके साथ-साथ उन्होंने किसानों से बारानी क्षेत्रों में बेर एवं करौंदा आदि को अपनाने के लिए प्रेरित किया ताकि किसान अपनी आमदनी बढ़ा सके। प्रशिक्षण के समन्वयक डॉ. सुरेन्द्र कुमार शर्मा ने उपस्थित किसानों को बारानी क्षेत्र अनुसंधान प्रक्षेत्र पर अपनाई गई तकनीकियों का अवलोकन करवाया। कार्यक्रम में गांव बुड़ाक, बालावास व नलवा के 40 किसानों ने भाग लिया। सभी किसानों ने प्रक्षेत्र पर सरसों की आर.एच.-725 प्रजाति में अपनाई गई तकनीकियों की सराहना की व इन तकनीकियों को अपने खेत पर अपनाने का संकल्प भी लिया।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
अजीत समाचार न्यूज	**18.03.2021**	--	--

किसान प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित

हिसार, 18 मार्च (देवानंद) : चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय हिसार के सस्य विज्ञान विभाग द्वारा बारानी खेती अनुसंधान प्रक्षेत्र पर एक दिवसीय किसान प्रशिक्षण का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में विश्वविद्यालय के कुलसचिव एवं विस्तार शिक्षा निदेशक डॉ. बी.आर. काम्बोज मुख्य अतिथि रहे। उन्होंने उपस्थित किसानों को विश्वविद्यालय द्वारा प्रदान की गई तकनीकियों को अपने खेत पर अपनाने के लिए प्रेरित किया व इस प्रकार के कार्यक्रमों में बढ़-चढ़कर भाग लेने का आह्वान किया। सस्य विज्ञान विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ. एस. के. ठकराल ने केंचुआ खाद तैयार करने की विधि एवं इसकी उपयोगिता के बारे में विस्तारपूर्वक बताया। डॉ. जगदेव सिंह ने बारानी क्षेत्रों में पानी के संचयन की उपयोगिता पर प्रकाश डाला। कार्यक्रम में गांव बुड़ाक, बालावास व नलवा के 40 किसानों ने भाग लिया। सभी किसानों ने प्रक्षेत्र पर सस्यों की आर.एच.-725 प्रजाति में अपनाई गई तकनीकियों की सराहना की व इन तकनीकियों को अपने खेत पर अपनाने का संकल्प भी लिया।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम........दैनिक सवेरा........

दिनांक 19.3.2021 ....पृष्ठ संख्या....3....कॉलम....7-8....

यशपाल और रुचिका बने सर्वश्रेष्ठ स्वयंसेवक

राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई द्वारा आयोजित शिविर के समापन अवसर पर संबोधित करते मुख्यातिथि एवं मौजूद ग्रामीण व स्वयंसेवक।

हिसार, (सुरेंद्र सोढी) : चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय की राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई द्वारा गांव शाहपुर में चल रहे सात दिवसीय वार्षिक शिविर का समापन हुआ। शिविर के समापन समारोह मे विश्वविद्यालय के छात्र कल्याण निदेशक डॉ. देवेंद्र सिंह दहिया मुख्य अतिथि जबकि उच्च माध्यमिक विद्यालय के प्रधानाचार्य कैलाश सैनी विशिष्ट अतिथि मौजूद रहे। शिविर के दौरान विभिन्न प्रतियोगिताएं जैसे प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता, सांस्कृतिक कार्यक्रम, भाषण प्रतियोगिता और पोस्टर मेकिंग प्रतियोगिताएं आयोजित की गई। इन प्रतियोगिताओं के विजेता प्रतिभागियों को पुरस्कार देकर सम्मानित किया गया। मुख्यातिथि डॉ. देवेंद्र सिंह दहिया ने कहा कि विद्यार्थी जीवन में स्वयंसेवक की बहुत ही महत्वपूर्ण भूमिका है। उन्होंने बताया कि राष्ट्रीय सेवा योजना द्वारा न केवल विद्यार्थियों का चरित्र निर्माण होता बल्कि उनकी सामाजिक छवि, व्यक्तित्व विकास, सकारात्मक सोच, आत्मविश्वास व नेतृत्व के गुणों का भी विकास होता है। उनमें सहयोग की भावना का विकास होता है और उनके सामाजिक दायरे में भी बढोतरी होती है। राष्ट्रीय सेवा योजना समन्वयक डॉ. चंद्रशेखर डागर ने बताया कि इस सात दिवसीय शिविर के समापन पर छात्र वर्ग में यशपाल को जबकि छात्रा वर्ग में रुचिका को सर्वश्रेष्ठ स्वयंसेवक चुना गया। डॉ. पंकज वर्मा एवं डॉ. ममता दहिया ने बताया कि इस शिविर के दौरान स्वयंसेवकों ने ग्रामीणों के साथ प्राप्त हुए अनुभवों को सांझा किया। कार्यक्रम को सुचारू रूप से संचालित करने हेतु स्वयंसेवको को विभिन्न समूह में बांटा गया। स्वयंसेवको ने ग्रामीणों की जीवनशैली जैसे सुबह जल्दी उठना, योगा एवं श्रमदान इत्यादि गतिविधियों का अनुसरण किया। साथ ही स्वयंसवेकों ने अपने शिविर के दौरान गांव में जागरूकता रैली निकालकर ग्रामीणों को साफ-सफाई व स्वच्छता के प्रति जागरूक किया। स्वयंसेवकों ने इस शिविर के सफलतापूर्वक समापन अवसर पर ग्रामीणों के सहयोग के लिए विशेष धन्यवाद दिया। कार्यक्रम में शाहपुर गांव के बुजुर्ग, महिलाएं और बच्चे भी शामिल हुए।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम.....दैनिक जागरण.....

दिनांक 19.3.2021....पृष्ठ संख्या.....4.....कॉलम....1.....

किसानों को केंचुआ खाद बनाने का दिया प्रशिक्षण

हिसार : चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय हिसार के सस्य विज्ञान विभाग द्वारा बारानी खेती अनुसंधान प्रक्षेत्र पर किसान प्रशिक्षण का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में विश्वविद्यालय के कुलसचिव एवं विस्तार शिक्षा निदेशक डा. बीआर कंबोज मुख्य अतिथि रहे। उन्होंने उपस्थित किसानों को विश्वविद्यालय द्वारा प्रदान की गई तकनीक को अपने खेत पर अपनाने के लिए प्रेरित किया। इस प्रकार के कार्यक्रमों में बढ़-चढ़कर भाग लेने का आह्वान किया। सस्य विज्ञान विभाग के विभागाध्यक्ष डा. एसके ठकराल ने केंचुआ खाद तैयार करने की विधि एवं इसकी उपयोगिता के बारे में बताया। डा. जगदेव सिंह ने बारानी क्षेत्रों में पानी के संचयन की उपयोगिता पर प्रकाश डाला।